DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

6 दिसंबर, 2022

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) रैंकिंग

❖ सन्दर्भ

➢ हाल ही में, सरकार ने कहा कि नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) रैंकिंग में भारत सर्वश्रेष्ठ विमानन सुरक्षा वाले शीर्ष 50 देशों में शामिल है। आईसीएओ रैंकिंग में यह सफलता घरेलू एयरलाइनों के अंतरराष्ट्रीय विस्तार में सहायक होगी।

प्रमुख बिंदु :-

- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) द्वारा जारी हालिया रैंकिंग में, भारत को 48वां स्थान दिया गया है, यह 2018 की 102वीं रैंक से "क्वांटम लीप (ऊँची छलांग) " सिद्ध होती है।
- ICAO ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) को 85.49 प्रतिशत का उच्चतम प्रभावी कार्यान्वयन (EI) स्कोर दिया है।
- यह रैंकिंग 187 देशों को कवर करती है तथा इसके आकलन अलग-अलग समय पर किए गए हैं ।
- इसके यूनिवर्सल सेफ्टी ओवरसाइट ऑडिट प्रोग्राम (USOAP) के सतत निगरानी दृष्टिकोण के तहत, ICAO कोऑर्डिनेटेड वैलिडेशन मिशन (ICVM) 9 नवंबर से 16 नवंबर तक चलाया गया था।
- 85.49 प्रतिशत के स्कोर के साथ, भारत और जॉर्जिया संयुक्त रूप से 48वें स्थान पर हैं।
- पड़ोसी देश पाकिस्तान 70.39 प्रतिशत स्कोर के साथ 100वें स्थान पर है।
- रैंकिंग में सिंगापुर 99.69 प्रतिशत के स्कोर के साथ सबसे ऊपर है।
- इसके बाद यूएई 98.8 प्रतिशत के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर और कोरिया गणराज्य तीसरे स्थान (98.24 प्रतिशत) पर है।

आईसीएओ के विषय में

- आईसीएओ का गठन नवंबर और दिसंबर 1944 में शिकागो में एक सम्मेलन द्वारा तैयार किए गए "अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन अभिसमय " पर आधारित है, तथा इसमें प्रत्येक आईसीएओ अनुबंधित राज्य, एक पक्षकार है।
- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है ।

कार्य

- यह अंतरराष्ट्रीय हवाई नेविगेशन के सिद्धांतों और तकनीकों का समन्वय करता है।
- यह सुरक्षित और व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन की योजना और विकास को बढ़ावा देता है।
- यह विमानन सुरक्षा, सुरक्षा और सुविधा, दक्षता, वायु परिवहन के आर्थिक विकास के साथ-साथ विमानन के पर्यावरणीय प्रदर्शन में सुधार के लिए आवश्यक मानकों और विनियमों को निर्धारित करता है।
- संगठन अपने 193 सदस्य देशों के बीच नागरिक उड्डयन के सभी क्षेत्रों में सहयोग के लिए मंच के रूप में कार्य करता है।

मुख्यालय

- ○ ICAO का मुख्यालय क्वार्टियर इंटरनेशनल ऑफ़ मॉन्ट्रियल, क्यूबेक, कनाडा में स्थित है ।

सदस्यता

- 193 आईसीएओ सदस्य = 192 संयुक्त राष्ट्र सदस्य + कुक द्वीप।

आईसीएओ परिषद

- आईसीएओ की परिषद का चुनाव हर 3 साल में विधानसभा द्वारा किया जाता है और इसमें 3 समूहों में चुने गए 36 सदस्य होते हैं।
- वर्तमान परिषद का चुनाव अक्टूबर 2022 में हुआ था।

काजीरंगा परियोजना

❖ सन्दर्भ

➢ काजीरंगा परियोजना के तहत किये गए निवेश और गतिविधियों के सुखद परिणाम इस राष्ट्रीय उद्यान में दिखाई दे रहे हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस साल अवैध शिकार का सिर्फ एक मामला सामने आया है वहीँ 2021 में एक मामला तथा 2020 में दो मामले सामने आए थे ।
- अधिकारियों के अनुसार, AFD कार्यक्रम क्षेत्र में समुदायों, विशेष रूप

परियोजना के अंतर्गत पहल

- कृत्रिम हाइलैंड्स यहाँ बाढ़ के दौरान जानवर बच सकते हैं।
- 200 से अधिक अवैध शिकार विरोधी शिविर।
- स्थानीय समुदायों के लिए वैकल्पिक आजीविका प्रशिक्षण।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

से वन में रहने वाले समुदायों के कौशल विकास को बढ़ाने में सबसे प्रभावी रहा है।

- समुदाय के सदस्य अब बिचौलियों द्वारा पेड़ों की अवैध कटाई में संलग्न नहीं होंगे तथा न ही शिकारियों को आश्रय भी नहीं देंगे।
- अवैध लकड़ी का व्यापार , रिजर्व के आसपास के जंगलों के क्षरण के मुख्य कारणों में से एक है।
- असम सरकार ने अब AFD की मदद से बड़े पैमाने पर वनीकरण अभियान शुरू किया है।

परियोजना के विषय में

- काजीरंगा परियोजना वन और जैव विविधता संरक्षण (APFBC) पर एक बड़ी असम परियोजना का एक हिस्सा है।
- Agence Française de Development (AFD) ने APFBC के लिए 2014-2024 के बीच 10 साल की अवधि के लिए €80.2 मिलियन की फंडिंग की प्रतिबद्धता जताई है।
- APFFBC ने 2024 तक 33,500 हेक्टेयर भूमि पर वनीकरण और वैकल्पिक आजीविका में 10,000 समुदाय के सदस्यों के प्रशिक्षण की संकल्पना की।

हालाँकि, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान कार्यक्रम का केंद्र बना हुआ है।
इस परियोजना के तहत किए गए उपाय, I3P की आधारशिला का निर्माण करेंगे ।

- इन्फ्रारेड-आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, जो हाथी के आने की सूचना देकर , मानव- हाथी संघर्ष को रोकती है।

इंडो-पैसिफिक पार्क्स पार्टनरशिप (I3P)

- फ्रांस और भारत ने फरवरी - 2022 में यह पहल आरम्भ की ।
- दोनों देश 'High Ambition Coalition for Nature and People' के सदस्य हैं।
- पहल का उद्देश्य संरक्षित क्षेत्रों और प्राकृतिक पार्कों के विकास के माध्यम से भारत-प्रशांत क्षेत्र में एक स्थायी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है।

I3P के प्रमुख घटक निम्नलिखित विषयों से सम्बंधित होंगे :

- जैव विविधता संरक्षण।
- सतत पर्यटन विकास और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों का सुदृढीकरण।
- शासन सुदृढीकरण।

इस साझेदारी को दो चरणों में लागू किया जाएगा -

- पहला चरण पायलट चरण होगा जो स्थलीय जैव विविधता पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके लिए फ्रांस ने असम राज्य के वन विभाग को अनुदान देने की प्रतिबद्धता जताई है।
- पहले चरण के ठोस परिणामों के आधार पर दूसरे चरण में, समुद्री जैव विविधता को शामिल करने के लिए विस्तारित किया जायेगा। इसमें भारत-प्रशांत क्षेत्र में रुचि रखने वाले पार्क शामिल हैं। यह दूसरा चरण पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी), भारत और फ्रांसीसी विकास एजेंसी (एएफडी), फ्रांस द्वारा डिजाइन किया जाएगा।

संक्षिप्त सुर्खियां

एग्जिट पोल

❖ सन्दर्भ

➢हाल ही में गुजरात चुनाव के लिए मतदान समाप्त हो गया है ; तथा लाइव एग्जिट पोल चलाये जा रहे हैं।

❖ एग्जिट पोल

- एक एग्जिट पोल एक सर्वे पर आधारित होता है जिसमे मतदाताओं से चुनाव में वोट डालने के बाद यह पूछा जाता है कि वे किस राजनीतिक दल का समर्थन कर रहे हैं।
- यह 'ओपिनियन पोल' से इस सन्दर्भ में अलग है, कि ओपिनियन पोल चुनाव से पहले बताये जाते हैं ।
- एग्जिट पोल से यह संकेत मिलता है कि चुनाव में रुख किस तरफ है, इसके साथ ही मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दों, व्यक्तित्व और लॉयल्टी का भी पता चलता है।
- आज, भारत में एग्जिट पोल कई संगठनों द्वारा आयोजित किए जाते हैं, जो प्रायः मीडिया संगठनों के साथ गठजोड़ में होते हैं।
- सर्वेक्षण आमने-सामने या ऑनलाइन आयोजित किए जा सकते हैं।
- भारत में, किसी विशेष चुनाव के एग्जिट पोल के परिणामों को अंतिम वोट डाले जाने तक प्रकाशित

करने की अनुमति नहीं है।

- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126ए, मतदान शुरू होने की मध्याकधि से मतदान के अंतिम चरण के समापन के आधे घंटे बाद तक से एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगाती है।
- हालांकि, ओपिनियन पोल पर आरपीए के अंतर्गत इस प्रकार के प्रतिबंध नहीं लगाए गए हैं।

चीता

❖ सन्दर्भ

> हाल ही में, राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, नई दिल्ली (दिल्ली चिड़ियाघर) ने केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के सहयोग से 4 दिसंबर को "अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस" और "वन्यजीव संरक्षण दिवस" मनाया।

मुख्य विशेषताएं

उद्देश्य

- वर्तमान पीढ़ी के बीच वन्यजीव संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना.
- वन्यजीव संरक्षण, कीस्टोन प्रजातियों और चरागाह पारिस्थितिकी तंत्र में चीता की भूमिका के महत्व को समझने के लिए युवाओ में जिज्ञासा को जन्म देना ।

❖ चीता

- एशियाई चीता ,एकमात्र बड़ा मांसाहारी है जो 1950 के दशक में शिकार और पर्यावास हानि के कारण भारत में विलुप्त हो गया था।
- भारतीय वन्यजीव संस्थान और भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट की मदद से मंत्रालय दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और बोत्सवाना से चीतों को स्थानांतरित करेगा।
- सितंबर 2022 में, आठ चीतों - पांच मादा और तीन नर को अफ्रीका के नामीबिया से मध्य प्रदेश (भारत) में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में स्थानांतरित किया गया है ।
- लगभग 40-50 एशियाई चीता केवल ईरान में पाए जाते हैं।

➢ एशियाई चीते की सुरक्षा स्थिति

- IUCN- गंभीर रूप से संकटग्रस्त (अफ्रीकी चीता संवेदनशील श्रेणी है)
- CITES- परिशिष्ट 1 (अफ्रीकी चीता के समान)

सोलबाउंड टोकन

❖ सन्दर्भ

➢ हाल ही में, दुनिया का पहला 'प्रशंसा का टोकन', सोलबाउंड टोकन तमिलनाडु द्वारा , डॉ के जयंत मुरली आईपीएस, पुलिस महानिदेशक, आइडल विंग सीआईडी, उनकी टीम के उत्कृष्ट सदस्यों को जारी किया गया था।

सोलबाउंड टोकन के बारे में

- सोलबाउंड टोकन (एसबीटी) गैर-हस्तांतरणीय टोकन हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर किसी व्यक्ति की पहचान का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- इसमें मेडिकल रिकॉर्ड, कार्य इतिहास और किसी भी प्रकार की जानकारी शामिल हो सकती है ।
- इन अभिलेखों को रखने या जारी करने वाले वॉलेट को "सोल (soul)" कहा जाता है।
- लोगों के पास उनके जीवन के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई वॉलेट हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति अपने कार्य इतिहास के लिए "क्रेडेंशियल सोल" और अपने स्वास्थ्य

रिकॉर्ड के लिए "मेडिकल सोल" रख सकता है।

- सोल और एसबीटी लोगों को उनके पिछले कार्यों और अनुभवों के आधार पर एक सत्यापन योग्य, डिजिटल वेब3 प्रतिष्ठा बनाने की अनुमति देंगे।
- दूसरी ओर, सोल ;उस इकाई का प्रतिनिधित्व कर सकती हैं जो एसबीटी आवंटित करती है।
    - उदाहरण के लिए, कंपनियां सोल्स हो सकती हैं, जो प्रत्येक कर्मचारी को एसबीटी जारी करती हैं।
        - एक डिजिटल कंट्री क्लब , सदस्यता की स्थिति को सत्यापित करने के लिए एसबीटी जारी कर सकता है।
- सोलबाउंड के पीछे का तर्क लोकप्रिय ऑनलाइन गेम वर्ल्ड ऑफ Warcraft से उत्पन्न हुआ है।

एनएफटी क्षेत्र में अनुप्रयोग

एसबीटी का उद्देश्य एनएफटी अवधारणा को धन और ब्रगिंग अधिकारों से परे जाकर उसमे परिवर्तन करना है। इसे एक ऐसे टोकन में परिणत करना है जो एक प्रकार का हो तथा गैर-हस्तांतरणीय हो ।

- जहाँ एनएफटी संपत्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, वहीँ एक एसबीटी एक व्यक्ति या संस्था की प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है।
- एनएफटी के विपरीत, एसबीटी शून्य मौद्रिक मूल्य रखता है और एक बार किसी के वालेट में जारी किए जाने के बाद इसका कारोबार नहीं किया जा सकता है।

भारत असमानता रिपोर्ट 2022: डिजिटल विभाजन

❖ संदर्भ

- हाल ही में ऑक्सफैम इंडिया ने भारत असमानता रिपोर्ट 2022: डिजिटल विभाजन नामक रिपोर्ट जारी की है।

❖ प्रमुख बिंदु

- भारत में केवल एक तिहाई महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं।
- एशिया-प्रशांत क्षेत्र में में, भारत 40.4 प्रतिशत के व्यापक लिंग अंतर के साथ सबसे खराब स्थिति में है।
- शहरी आबादी के 67 प्रतिशत की तुलना में केवल 31 प्रतिशत ग्रामीण आबादी इंटरनेट का उपयोग करती है।
- महाराष्ट्र में इंटरनेट की पहुंच सबसे अधिक है, इसके बाद गोवा और केरल का स्थान है।
- बिहार में इंटरनेट की पहुंच सबसे कम है, इसके बाद छत्तीसगढ़ और झारखंड का स्थान आता है।
- एनएसएस (2017-18) के अनुसार, केवल लगभग 9 प्रतिशत छात्र जो किसी भी पाठ्यक्रम में नामांकित थे, उनके पास इंटरनेट के साथ कंप्यूटर की सुविधा थी।
- नामांकित छात्रों में से 25 प्रतिशत के पास किसी भी प्रकार के उपकरण के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग था।
- ग्रामीण भारत में, औपचारिक वित्तीय सेवाओं का उपयोग करने की प्रवृत्ति एसटी परिवारों के लिए सबसे कम है, इसके बाद एससी परिवारों और ओबीसी परिवारों का स्थान है।
- संयुक्त राष्ट्र के ई-भागीदारी सूचकांक (2022) के अनुसार, ई-शासन जो तीन महत्वपूर्ण आयामों,

अर्थात् ऑनलाइन सेवाओं का प्रावधान, दूरसंचार कनेक्टिविटी और मानव क्षमता, का एक समग्र उपाय है, में भारत 193 देशों में से 105वें स्थान पर है।

- सिखों के पास कंप्यूटर होने की सबसे अधिक संभावना है, उसके बाद ईसाई, हिंदू और अंत में आते हैं।

स्ट्रेप ए

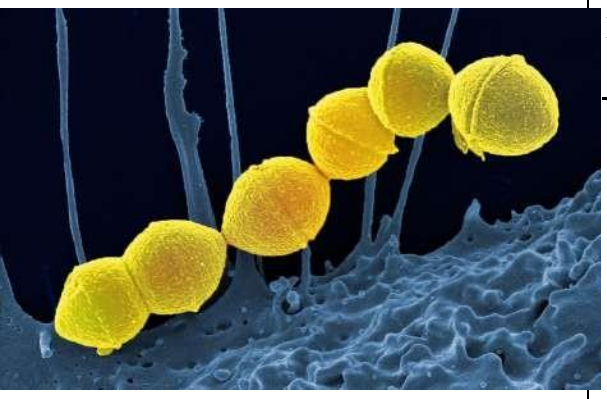

❖ सन्दर्भ

- यूनाइटेड किंगडम में स्ट्रेप ए से छह बच्चों की मौत हो गई है।

❖ मुख्य बिंदु

- यह एक आम जीवाणु संक्रमण है। इसके लक्षणों में बुखार, त्वचा पर चकत्ते और एंटीबायोटिक दवाओं के साथ आसानी से इलाज किए जाने वाले दर्द शामिल हैं।
- हालांकि, बैक्टीरिया के रक्त प्रवाह में प्रवेश करने पर संक्रमण गंभीर हो सकता है।
- इसे इनवेसिव ग्रुप ए स्ट्रेप (iGAS) कहा जाता है। यह सामान्यतः तेज बुखार, गंभीर मांसपेशियों में दर्द, शरीर के एक क्षेत्र में दर्द और अस्पष्टीकृत उल्टी या दस्त के रूप में परिलक्षित होता है।
- ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस (ग्रुप ए स्ट्रेप) नामक बैक्टीरिया कई अलग-अलग संक्रमण पैदा कर सकता है।
- ये संक्रमण मामूली बीमारियों से लेकर बहुत गंभीर और घातक बीमारियों जैसे स्ट्रेप थ्रोट, स्कार्लेट फीवर, इम्पेटिगो, नेक्रोटाइजिंग फेशिआइटिस, सेल्युलाइटिस, रूमेटिक फीवर, स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम और पोस्ट-स्ट्रेप्टोकोकल ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस तक में परिणत हो सकता हैं।

विश्व मृदा दिवस

❖ सन्दर्भ

- पर्यावरण और जीवन के लिए स्वस्थ मृदा के महत्व की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष 05 दिसंबर को मृदा दिवस मनाया जाता है।

❖ मुख्य बिंदु

- इसे संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा 2014 में घोषित किया गया था।
- यह दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह थाईलैंड के राजा, एचएम किंग भूमिबोल अदुल्यादेज के जन्मदिन 05 दिसंबर को पड़ता है , तथा इन्होने इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया था।
- 2021 में प्रकाशित इसरो एटलस के अनुसार, दुनिया की एक तिहाई मृदा निम्नीकृत हो गई है जबकि भारत में लगभग 29.7 प्रतिशत भूमि निम्नीकृत हो गई है।
- अवक्रमित मृदा अपरदन के लिए प्रवण होती है। मृदा अपरदन और भूमि क्षरण वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।
- यह अनुमान लगाया गया है कि विश्व का 95 प्रतिशत भोजन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मिट्टी पर उत्पादित होता है। स्वस्थ मिट्टी भी कार्बन और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को मिट्टी के कार्बनिक पदार्थ (SOM) में संग्रहित करती है।
- सघन कृषि, जो मोनोक्रॉपिंग, नियमित और अधिक जुताई के साथ-साथ रसायनों के उपयोग को बढ़ावा देती है, मृदा क्षरण हेतु उत्तरदायी प्रमुख गतिविधियों में से एक है।

तुंगारेश्वर वन्यजीव अभयारण्य

❖ प्रसंग

- सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने हाल ही में तुंगारेश्वर वन्यजीव अभयारण्य (टीडब्ल्यूएस) को भारत में सभी

संरक्षित क्षेत्रों के आसपास एक किलोमीटर इको-सेंसिटिव जोन (ईएसजेड) के निर्माण को अनिवार्य करने के अपने 3 जून के आदेश से छूट दी।

❖ **प्रमुख बिंदु**

- उच्चतम न्यायालय ने कहा कि 3 जून के आदेश के अनुसार ईएसजेड बनाने के लिए एक समान आदेश देने से पहले व्यावहारिक कठिनाइयों और जमीनी हकीकतों को ध्यान में रखना होगा।
- तुंगारेश्वर वन्यजीव अभ्यारण्य, जिसे तुंगारेश्वर राष्ट्रीय उद्यान के रूप में भी जाना जाता है, महाराष्ट्र में मुंबई के उत्तर में पालघर जिले में एक पठार पर स्थित है।
- यह संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और तानसा वन्यजीव अभयारण्य के बीच एक गलियारा बनाता है।

क्रिप्टोवरानोइड्स माइक्रोलेनियस

❖ **सन्दर्भ**

➢ एक अध्ययन के अनुसार, आधुनिक छिपकलियां 252-201 मिलियन वर्ष पूर्व फैले ट्राइऐसिक काल के अंत समय से सम्बध्द 'जानवर' की संताने हो सकती हैं।

❖ **प्रमुख बिंदु**

- पिछले अनुमानों ने सुझाव दिया था कि आधुनिक छिपकलियों की उत्पत्ति 35 मिलियन वर्ष बाद मध्य जुरासिक काल में हुई थी।
- तेज धार वाले टुकड़े करने वाले दांतों की उपस्थिति के कारण प्रजाति के नाम का अर्थ 'लिटिल बल्चर ' है।
- अध्ययन में यह भी उल्लेख किया गया है कि एक संबंधित क्लेड राइनकोसेफेलिया भी ट्राइऐसिक काल के अंतिम दौर में उत्पन्न हुआ था। वर्तमान में, न्यूजीलैंड में पाया जाने वाला तुतारा इस समूह का एकमात्र उत्तरजीवी है।
- ट्राइऐसिक काल , पर्मियन विलोपन के बाद आया, जिसे लोकप्रिय रूप से 'ग्रेट डाइंग' कहा जाता है। इस काल में ग्रह की 90 प्रतिशत से अधिक प्रजातियां नष्ट हो गईं।

यूएस इन्फ्लेशन रिडक्शन एक्ट

❖ **सन्दर्भ**

➢ यूरोपीय संघ (ईयू) ने कहा कि वह एक नए अमेरिकी हरित ऊर्जा सब्सिडी पैकेज द्वारा ट्रिगर किए गए, निवेश के पलायन को रोकने के लिए अपने राज्य सहायता नियमों को अपनाएगा।

❖ **मुख्य बिंदु**

- यह अधिनियम 2022 में पारित किया गया, जिसका उद्देश्य अमेरिका के सामाजिक सुरक्षा जाल में निवेश को बढ़ावा देना, दवाओं की लागत कम करना, निगमों पर कर बढ़ाना और जलवायु परिवर्तन से निपटने में निवेश को बढ़ावा देना है।
- यह यू.एस. के इतिहास में जलवायु परिवर्तन से निपटने में सबसे बड़ा निवेश ,$430 बिलियन , करता है। इस निवेश में घरों के लिए कर क्रेडिट सम्मिलित हैं ताकि ऊर्जा लागत की भरपाई की जा सके। इसके साथ स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में निवेश और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से कर क्रेडिट का भी प्रावधान किया गया है ।

	➢ 27 यूरोपीय संघ के देश चिंतित हैं कि उनकी कंपनियों को नए कानून के तहत प्रस्तुत की जाने वाली इलेक्ट्रिक कारों जैसी नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में उपयोग किए जाने वाले घटकों के लिए अमेरिकी कर क्रेडिट का लाभ नहीं मिलेगा हालाँकि यदि ये कम्पोनेंट अमेरिका में बनाये जाये तो उन्हें कर क्रेडिट का लाभ मिल सकता है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare